Sixteenth Loksabha

an>

Title: Need to include 'Thathera' caste of Bihar in the list of most backward Classes.

श्री कौशलेन्द्र कुमार (नालंदा): बिहार राज्य में ठठेरा जाति की आबादी लगभग 7 लाख है। देश की आजादी के 72 वर्षों के बाद आज भी ठठेरा समाज सभी समाज से दबे-कुचले हैं। ठठेरा समाज का मुख्य व्यवसाय घूम-घूमकर बर्तन बेचना है, किन्तु व्यवसायीकरण के युग में इस समाज के लिए बर्तन का व्यवसाय समाप्ति की ओर है। दिनों-दिन ठठेरा समाज के लोग अवनति की ओर जा रहे हैं। इस समाज के लोगों की आर्थिक एवं सामाजिक स्थिति दयनीय होती जा रही है। क्योंकि ये लोग भूमिहीन तो हैं ही अल्पसंख्यक भी हैं। शिक्षा की कमी भी इस समाज को नीचे की ओर धकेलती जा रही है। ठठेरा समाज की परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए बिहार सरकार भी राज्य में इस समाज के उत्थान के लिए कई कदम उठा रही है। बिहार प्रदेश ठठेरा संघ की माँग के साथ मेरा भी मानना है कि अगर इस समुदाय को आरक्षण की सुविधा प्रदान की जाए तो उसे आगे बढ़ने का मौका मिलेगा और यह समुदाय भी समाज के अन्य समुदाय के समक्ष समानान्तर आर्थिक एवं सामाजिक दृष्टिकोण से आगे बढ़ सकता है।

अतः केंद्र सरकार से आग्रह है कि बिहार में ठठेरा जाति को अति पिछड़ी जाति में शामिल करने के लिए आवश्यक कार्रवाई की जाए।